विराम-चिह्न

विराम-चिह्न

वाक्यों के बीच-बीच में थोड़ी देर के लिए रुकने का संकेत करने वाले चिह्नों को **विराम-चिह्न** कहते हैं।

उद्धाहरण:

पिहु और स्वाती सहेलियाँ हैं पिहु ने स्वाती से पूछा कल मेरे जन्मदिन पर तुम मेरे घर क्यों नहीं आईं स्वाती बोली मैं कैसे आती पापा की तबीयत अचानक खराब हो गई थी अंकल जी अब कैसे हैं अब वे बिलकुल ठीक हैं स्वाती ने उत्तर दिया यह लो अपने जन्मदिन का उपहार पिहु ने पैकेट खोला और बोली अरे वाह यह तो बहुत सुंदर है

क्या आप ऊपर के वाक्यों को बिना कहीं रुके लगातार बोल सकते हैं?

अब उपर्युक्त विराम-चिह्नों के साथ पढ़िए

पीहु और स्वाती सहेलियाँ हैं। पीहु ने स्वाती से पूछा-"कल मेरे जन्मदिन पर तुम मेरे घर क्यों नहीं आईं?" स्वाती बोली-"मैं कैसे आती, पापा की तबीयत अचानक खराब हो गई थी।" "अंकल जी अब कैसे हैं?" "अब वे बिलकुल ठीक हैं।" स्वाती ने उत्तर दिया। "यह लो, अपने जन्मदिन का उपहार।" पिहु ने पैकेट खोला और बोली- "अरे वाह! यह तो बहुत सुंदर है।"

देखा आपने, विराम-चिहनों के प्रयोग से वाक्य ठीक प्रकार से समझ में आ जाते हैं।

हम बोलते, लिखते या पढ़ते समय वाक्यों के बीच-बीच में कुछ क्षणों के लिए ठहरते हैं, तब अगली बात कहते हैं। कभी हम सीधी बात कहते हैं, कभी प्रश्न करते हैं, तो कभी आश्चर्य प्रकट करते हैं। इसीलिए लिखते समय अलग-अलग भावों को प्रकट करने के लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग करते हैं। इन चिह्नों को विराम-चिह्न कहते हैं। दिए गए वाक्यों में विराम-चिह्न का प्रयोग नहीं किया गया है।

अब उपर्युक्त विराम-चिह्नों के साथ पढ़िए:

पीहु और स्वाती सहेलियाँ हैं। पीहु ने स्वाती से पूछा-"कल मेरे जन्मदिन पर तुम मेरे घर क्यों नहीं आईं?" स्वाती बोली- "मैं कैसे आती, पापा की तबीयत अचानक खराब हो गई थी।" "अंकल जी अब कैसे हैं?" "अब वे बिलकुल ठीक हैं।" स्वाती ने उत्तर दिया। "यह लो, अपने जन्मदिन का उपहार।" पिहु ने पैकेट खोला और बोली- "अरे वाह! यह तो बहुत सुंदर है।"

विराम-चिहनों के प्रयोग से वाक्य ठीक प्रकार से समझ में आ जाते हैं।

मुख्य विराम-चिह्न हैं

पूर्ण विराम (।): जब कोई वाक्य पूरा हो जाता है, तो वाक्य के अंत में पूर्ण विराम लगाया जाता है।

जैसे:

मेरा नाम अजय है। मैं चौथी कक्षा में पढ़ता हूँ। मैं कविनगर में रहता हूँ।

प्रश्न-चिह्न (?): जिन वाक्यों में कोई प्रश्न पूछा जाता है, उनके अंत में प्रश्न-चिह्न लगाया जाता है।

जैसे:

तुम्हारा नाम क्या है? तुम कहाँ रहते हो? तुम्हारे पापा क्या करते हैं?

अल्प विराम (,): जब किसी वाक्य के बीच में थोड़ा रुकना पड़े तो अल्प विराम का प्रयोग होता है।

जैसे:

अरुण, राहुल और गौरव आज नहीं आए। अनुपम बाज़ार गया, पुस्तक खरीदी और घर लौट आया।

विस्मयादि चिह्न (!): खुशी, दु:ख, घृणा, आश्चर्य जैसे भावों को प्रकट करने के लिए विस्मयादि चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

जैसे:

वाह! क्या खूब छक्का लगाया! अरे! आप कब आए? ओह! बेचारा घायल हो गया! छी:-छी:! इतनी बदबू!